Chapter 3

समकालीन दक्षिण एशिया

इस अध्याय में हम समकालीन दक्षिण एशिया का अध्ययन करेंगे जिसमे सात महत्वपूर्ण देश शामिल है साथ ही इन देशो के प्रशासनिक व्यवस्था को भी जानेगे और इनके आपसी संबंधो को भी जानेगे

दक्षिण एशिया
(South Asia)

1. दक्षिण एशिया के प्रमुख देश

- **दक्षिण एशिया के देशो का विश्व में महत्वपूर्ण स्थान है जिसमे सात देश शामिल है।**

1. **भारत**
2. **पाकिस्तान**
3. **बांग्लादेश**
4. **श्रीलंका**
5. **नेपाल**
6. **मालदीव**
7. **भूटान**

- **दक्षिण एशिया का क्षेत्र बहुत से भाषाई, सामाजिक तथा सांस्कृतिक अनूठेपन के लिए जिम्मेदार है।**
- **इन क्षेत्र से सम्बन्धित चर्चा में अफगानिस्तान ओर म्यांमार को भी रखा जाता है।**
- **इस क्षेत्र की भौगोलिक विशिष्टता इस प्रकार है।**

1. **उत्तर की विशाल हिमालय पर्वत श्रृंखला।**
2. **दक्षिण का हिंद महासागर।**
3. **पश्चिम का अरब सागर।**
4. **पूरब में बंगाल की खाड़ी।**

2. दक्षिण एशिया देशो की समस्याएं

1. संघर्षो वाला क्षेत्र
2. सीमा विवाद
3. नदी जल विवाद
4. विद्रोह संघर्ष
5. जातीय संघर्ष
6. संवेदनशील इलाका

3. दक्षिण एशिया के देशो में राजनीतिक प्रणाली कैसी है ?

देश	राजनीतिक प्रणाली
भारत	लोकतंत्र
श्रीलंका	लोकतंत्र
पाकिस्तान	सैनिक शासन तथा लोकतंत्र
बांग्लादेश	सैनिक शासन तथा लोकतंत्र
नेपाल	राजतंत्र तथा लोकतंत्र
भूटान	राजतंत्र तथा लोकतंत्र
मालदीव	राजतंत्र तथा लोकतंत्र

पाकिस्तान

1. सैनिक शासन और लोकतंत्र

- पाकिस्तान में संविधान बनने के बाद शासन जनरल अयूब खान ने चलाया लेकिन जनता का गुस्सा भड़कने पर उन्हें पद छोड़ना पड़ा।
- इसके बाद जनरल याहिया खान ने बागडोर संभाली और बांग्लादेश संकट वाली घटना का सामना करना पड़ा।
- भारत से युद्ध और पूर्वी पाकिस्तान का 1971 में बांग्लादेश के रूप में एक स्वतंत्र देश बनना ।
- इसके बाद पाकिस्तान की बागडोर जुल्फिकार अली भुट्टो (1971-77) ने संभाली।
- 1977 में जनरल जियाउलहक ने इस सरकार को गिरा दिया।
- 1982 में जनरल जियाउलहक की सरकार को लोकतंत्र समर्थक आंदोलन का सामना करना पड़ा।
- 1988 में बेनजीर भुट्टो के नेतृत्व में लोकतांत्रिक सरकार बनी।

- 1999 में नवाज शरीफ को सत्ता से बेदखल करके परवेज मुशर्रफ आए और खुद को राष्ट्रपति नियुक्त कर सैन्य शासन 2001 से 2008 तक चलाया।
- इसके बाद कुछ समय के लिए जुल्फिकार अली भुट्टो, बेनजीर भुट्टो तथा नवाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान में लोकतांत्रिक सरकार कार्य करती रही ।
- 2013 में नवाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान में लोकतांत्रिक सरकार पूरी तरह से बहाल हुई।
- 2017 में नवाज शरीफ को वित्तीय भ्रष्टाचार के मामले में पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दोषी ठहराया गया तथा पद से हटाते हुए दस साल की सजा का आदेश दिया।
- जुलाई 2018 में पाकिस्तान में हुए आम चुनाव में इमरान खान के नेतृत्व में लोकतांत्रिक सरकार का गठन हुआ कुछ समय बाद बहुमत खो देने पर इमरान खान की सरकार गिर गयी।
- 11 अप्रैल 2022 में शहबाज शरीफ के नेतृत्व में एक नई सरकार बनी और उन्होंने 23वें प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला ।
- इस प्रकार पाकिस्तान में कभी सैनिक शासन तो कभी लोकतंत्र सरकार आती रहती है।

2. पाकिस्तान में लोकतंत्र के स्थायी न रह पाने के पीछे क्या कारण है ?

1. पाकिस्तान में सेना, धर्मगुरूओ और भूस्वामी अभिजनो का दबदबा है जिससे वो अपने फायदे के लिए निर्वाचित सरकार गिरा कर सैनिक शासन कायम करते है।
2. पाकिस्तान की भारत के साथ तनातनी रहती है इसलिए भी सैनिक शासन को लोग ज्यादा महत्त्व देते है।
3. राजनितिक दल भ्रष्ट है जिससे यहाँ लबे समय तक लोकतान्त्रिक प्रशासन नहीं चल पाता है।
4. अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और पश्चिम के देश अपने स्वार्थो के चलते सैनिक शासन के समर्थन नहीं देते क्यूंकि इन्हें 'विश्वव्यापी इस्लामी आतंकवाद' से डर है कही पाकिस्तान के परमाण्विक हथियार उनके हाथ न लग जाये।

3. पाकिस्तान में लोकतंत्र मजबूत होने के कारण

1. पाकिस्तान में स्वतंत्र और साहसी प्रेस मौजूद है जो लोकतंत्र पक्ष को मजबूती से काम करती है।
2. पाकिस्तान में मानवाधिकार आन्दोलन काफी मौजूद है।

4. भारत-पाकिस्तान के बीच विवाद के मुख्य कारण

1. सीमा विवाद।
2. कश्मीर विवाद।
3. सरक्रीक रेखा विवाद।
4. आतंकवाद।
5. कश्मीर में अलगाववाद को बढ़ावा देना।

5. भारत पाकिस्तान संघर्ष

युद्ध	कारण
पहला युद्ध – 1947 – 48	कश्मीर मुद्दा
दूसरा युद्ध – 1965	पाकिस्तानी आक्रमण
तीसरा युद्ध -1971	बांग्लादेश संकट
चौथा युद्ध – 1999	कारगिल संघर्ष

- भारतऔर पाकिस्तान के बीच चार युद्ध हुए लेकिन अभी भी कश्मीर मुद्दा अनसुलझा है।
- भारत और पकिस्तान के बीच तनातनी अभी भी बनी रहती है।
- भारत और पकिस्तान दोनों ने सफल परमाणु परीक्षण किया।

1. 1998 में भारत ने अपना परमाणु परीक्षण पोखरण में किया।
2. उसके बाद पाकिस्तान ने भी अपना परमाणु परीक्षण चगाई की पहाडियों में किया।

5. भारत और पाकिस्तान की सरकारो का एक दुसरे पर आरोप

1. भारत के आरोप

1. पाकिस्तान ने भारत में छुपे तोर पर हिंसा की रणनीति जारी रखी है।
2. पाकिस्तान कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के लिए आतंकवादियों को सुरक्षा, धन, हथियार और प्रशिक्षण देता है।
3. पाकिस्तान ने पंजाब प्रान्त में 1985 - 95 में खालिस्तान उग्रवादियों को हथियार तथा गोले- बारुद दिए थे।
4. पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलीजेंस (आईएसआई) इन कामो में संलग्न है।

5. यह बांग्लादेश और नेपाल के गुप्त ठिकानों से पूर्वोत्तर भारत में भारत-विरोधी अभियानों को बढ़ाते है।

2.पाकिस्तान के आरोप

- भारत अपनी ख़ुफ़िया एजेंसी के द्वारा सिंध और बलूचिस्तान में समस्या को भड़काता है।

नेपाल

1. नेपाल भारत का पड़ोसी देश है।
2. नेपाल चारो ओर से स्थल से घिरा देश है।
3. नेपाल की 75 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या हिंदू है।
4. भगवान बुद्ध का जन्म नेपाल में हुआ।
5. नेपाल एक गरीब देश है।
6. राजतंत्र से लोकतंत्र।

1. नेपाल में राजतन्त्र से लोकतंत्र कैसे आया ?

- नेपाल एक हिंदू राज्य था यहां कई वर्षों तक राजतंत्र रहा है।
- यहां की जनता तथा राजनैतिक पार्टी एक उत्तरदाई शासन की मांग उठा रहे थे।
- राजा ने सेना की सहायता से शासन पर नियंत्रण बना लिया था ,जिससे यहां लोकतंत्र की राह रुक गई।
- जनता लोकतंत्र चाहती थीं इसलिए जनता ने लोकतांत्रिक सरकार की मांग के लिए आंदोलन का रास्ता आपनाया।
- राजा ने बाध्य होकर 1990 में लोकतांत्रिक संविधान की मांग मानी और सरकार का गठन हुआ।
- 1990 के दशक में नेपाल में माओवादी अपना प्रभाव जमा चुके थे और राजा और सत्ताधारी वर्गों के खिलाफ विद्रोह केर दिया।
- इसके चलते राजा की सेना, लोकतंत्र समर्थक और माओवादियों के बीच हिंसक झड़प हुई जिसके चलते 2002 में राजा ने संसद को भंग कर दिया जो नेपाल में लोकतंत्र था वो भी ख़त्म हो गया।
- 2006 में एक बहुत बड़ा आन्दोलन हुआ उसके बाद राजा ने लोकतंत्र समर्थको की बात मान ली और संसद को बहाल कर दिया।
- इस देशव्यापी आन्दोलन का नेतृत्व किया।

1. सात दलों के गठबंधन ने।
2. माओवादी लोग।
3. सामजिक कार्यकर्त्ता।

- 2008 में नेपाल राजतंत्र को समाप्त कर लोकतंत्रिक गणराज्य बन गया।
- 2015 में नेपाल में एक नया सविंधान बना कर लागु कर दिया गया।

2. भारत और नेपाल के सम्बन्ध

1. सहमती

1. भारत और नेपाल के हमेशा से मधुर संबंध रहे है।
2. बिना वीजा पासपोर्ट के एक दुसरे के देश में आने जाने कार्य करने की संधि है।
3. व्यापार वैज्ञानिक सहयोग भारत नेपाल में कई योजनाओं में मदद करता है।

2. मतभेद

1. अतीत में व्यापार को लेकर मनमुटाव रहा है।
2. चीन से नेपाल की दोस्ती को लेकर भारत की नाराजगी है।
3. भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ नेपाल सरकार कार्यवाही नहीं करती।
4. नेपाल का आरोप है कि भारत उनके अंदरूनी मामलों में दखल देता है।
5. नेपाल का मानना है की भारत उसकी नदी जल, पनबिजली परियोजना पर आंख गड़ाए है।

बांग्लादेश

- भारत के बंटवारे के बाद दो पाकिस्तान बनाए गए।

- एक पूर्वी पाकिस्तान, दूसरा पश्चिमी पाकिस्तान।

- पूर्वी पाकिस्तान 1971 में स्वतंत्र राष्ट्र बना इससे पहले 1947-1971 तक यह पाकिस्तान का हिस्सा था।

- भारत ने इसे स्वतंत्र कराया जिससे इसका नाम बांग्लादेश पड़ा।

1. बांग्लादेश निर्माण

- आज जिसे स्वतंत्र देश बांग्लादेश कहां जाता है एक समय पर वह पूर्वी पाकिस्तान था।
- बंगाल और असम के हिस्सों को विभाजित करके पूर्वी पाकिस्तान बनाया गया था।
- पश्चिमी पाकिस्तान यहां दबदबा दिखाता था तथा जबरन यहां उर्दू भाषा थोपी जा रही थी।
- 1970 के चुनावों में शेख मुजीबुरहमान के नेतृत्व में आवामी लीग ने पूर्वी पाकिस्तान की सारी सीट जीती पर उन्हें न्यायोचित हिस्सेदारी नहीं मिली।
- यहां के लोगों ने इसका विरोध किया और पाकिस्तान के खिलाफ जन संघर्ष छेड़ दिया।
- संघर्ष का नेतृत्व शेख मुजीबुरहमान ने किया और पूर्वी क्षेत्र के लिए स्वायत्तता की मांग की शेख मुजीब को गिरफ्तार किया गया।
- याहिया खान की सेना ने बंगाली जनता के आंदोलन को कुचलने की कोशिश की हजारों लोग पाकिस्तानी सेना के हाथों मारे गए।
- बड़ी संख्या में लोग भारत में पलायन कर गए भारत सरकार ने पूर्वी पाकिस्तान की आजादी की मांग का समर्थन कर दिया वित्तीय और सैनिक सहायता दे दी।
- 1971 में भारत तथा पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ इस युद्ध में भारत जीत गया और एक स्वतंत्र राष्ट्र बांग्लादेश का निर्माण हो गया।

2. बांग्लादेश में प्रशाशन

- बांग्लादेश ने अपना संविधान बनाया और धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक समाजवादी देश घोषित किया।
- 1975 में शेख मुजीब ने संविधान में संशोधन कराया और संसदीय प्रणाली की जगह अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली अपनाई।
- आवामी लीग को छोड़कर अन्य सभी पार्टियों को समाप्त किया इसमें तनाव और संघर्ष का माहौल बना।
- सेना ने बगावत कर दीया और शेख मुजीब सेना के हाथों मारे गए।
- नए सैनिक शासन जियाउर रहमान ने बांग्लादेश नेशनल पार्टी बनाई जियाउर रहमान 1979 का चुनाव जीते फिर इनकी भी हत्या केर दी गयी।
- एक बार फिर सत्ता सैनिक शासक जनरल एच. एम. इरशाद के हाथो में आयी ,जनता तथा छात्रों ने इनके खिलाफ आंदोलन किया जिससे 1990 में इन्हें पद छोड़ना पड़ा।
- 1991 के चुनावों के बाद यहां लोकतंत्र (बहुदलीय व्यवस्था) कायम हुयी।

3. भारत और बांग्लादेश के बीच सहमती तथा विवाद के मुद्दे ?

1. सहमति

1. आर्थिक संबंध मजबूत हुए है।
2. बांग्लादेश भारत की पूर्व चलो की नीति का हिस्सा है।
3. आपदा प्रबंधन और पर्यावरण के मसले पर सहयोग।
4. व्यापार में बढ़ोतरी।

2. विभेद

1. गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी जल हिस्सेदारी में विवाद।
2. भारत में अवैध बांग्लादेशी रह रहे है।
3. भारत विरोधी कट्टर इस्लामी जमातो को समर्थन।
4. म्यांमार को बांग्लादेश के रास्ते से प्राकृतिक गैस का निर्यात ना होने देना।
5. भारतीय सेना को पूर्वोत्तर भारत में जाने के लिए अपने इलाके से रास्ता देने से बांग्लादेश का इनकार करना।

श्री लंका

- श्री लंका – 1948 में आजाद हुआ।
- पुराना नाम – सिलोन।
- आजादी के बाद से सफल लोकतंत्र कायम है।
- मूल निवासी – सिंघली।
- समस्या – जातीय संघर्ष की।
- विवाद – तमिल और सिंघली लोगो के बीच विवाद।

1. जातीय संघर्ष तथा समस्या

- भारत के तमिल लोग जो ब्रिटिश साशन के समय से श्री लंका जा बसे है उनका विरोध वहां के मूल निवासी सिंघली लोग करते है।
- सिंघली लोग कहते है श्री लंका केवल उनका है तमिलो को वह कोई रियायत नही देनी चाहिए।
- 1983 में तमिलो के संगठन लिट्टे का श्री लंका की सेना के साथ संघर्ष चला।
- तमिल ईलम तमिलो के लिए श्री लंका में एक अलग देश की मांग कर रहे है।

- भारत की तमिल जनता का भारतीय सरकार पर दबाव है कि श्रीलंका में बसे तमिलों के हितों की रक्षा की जाए।
- भारतीय सरकार ने समय-समय पर श्रीलंका सरकार से बातचीत के प्रयास किए हैं।
- 1987 में श्रीलंका में शांति सेना भेजी गई थी जो लिट्टे से संघर्ष में फंस गई और बिना लक्ष्य हासिल किये 1989 में वापस आ गई।
- श्रीलंका की जनता ने भी इसे पसंद नहीं किया वहां की जनता इसे अपने अंदरूनी मामले में दखलअंदाजी के रूप में देखती है।
- स्कैंडिनेवियाई देश नॉर्वे और आइसलैंड ने दोनों के बीच समझौता कराया।

2. श्रीलंका की स्थिति

1. श्रीलंका की आर्थिक वृद्धि अच्छी है।
2. श्रीलंका ने जनसंख्या पर नियंत्रण किया।
3. ऐसा करने वाला श्रीलंका विकासशील देशों में प्रथम है।
4. अर्थव्यवस्था का सबसे पहले उदारीकरण भी श्रीलंका ने किया।

3. भारत और श्री लंका के बीच विवाद तथा सहमती के मुद्दे

1. सहमति

1. मुक्त व्यापर समझोता।
2. मित्रता की संधियाँ।
3. श्री लंका में सुनामी के दौरान मदद।
4. श्री लंका से शांति सेना वापिस बुलाया।

2. विवाद

1. तमिल लोगो का मुद्दा।
2. तमिलो द्वारा अलग देश की मांग।
3. लिट्टे का संघर्ष।
4. 1987 में सेना भेजना।
5. अंदरूनी दखलंदाजी।

मालदीव

- मालदीव हिन्द महासागर में स्थित एक द्वीपीय देश है।
- मालदीव 1968 तक सल्तनत हुआ करता था।
- 1968 में यह एक गणतंत्र बना और यहां शासन की अध्यक्षात्मक प्रणाली अपनाई गई।
- 2005 के जून महीने में मालदीव की संसद ने बहुदलीय प्रणाली को अपनाने के पक्ष में मतदान किया।
- एमडीपी यहां की मुख्य पार्टी है जिसका यहां की राजनीति में दबदबा है।
- 2005 के चुनाव में मालदीव में विपक्षी दलों को कानूनी मान्यता दे दी गई।

भारत और मालद्वीप के सम्बन्ध

- 1988 में श्री लंका से आये कुछ भाड़े के सैनिको ने मालदीप में हमला कर दिया.
- मालदीप ने भारत से मदद मांगी भारत ने तुरंत मालदीप की रक्षा के लिए सेना भेज दी.
- भारत ने मालदीप के आर्थिक विकास, पर्यटन और मत्स्य उद्योग में मदद की है